कागज रहित ई-ऑफिस संचालन का आदेश कागजों में दब कर रह गया!

ई-आफिस संचालन को लेकर गंभीर नहीं दिख रहे जिले के ऑफिसों के अधिकारी और कर्मचारी

नवभारत न्यूज

सीधी 29 दिसम्बर। जिले में कागज रहित ई-आफिस संचालन का आदेश कागजों में दब कर रह गया। ई-आफिस संचालन को लेकर जिले के आफिसों के अधिकारी और कर्मचारी गंभीर नही दिख रहे हैं।

बताते चलें कि ई-आफिस पोर्टल भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक वेब आधारित सिस्टम है जो सरकारी दफ्तारों में कागज रहित, पारदर्शी और कुशल कामकाज को बढ़ावा देता है। जिससे फाइलें डिजिटल रूप से चलती हैं और अधिकारी कहीं से भी सुरक्षित पहुंचकर काम कर सकते हैं। यह डिजिटल इंडिया का हिस्सा है और एनआईसी द्वारा विकसित किया गया है, जो ई-फाइल, ई-सिग्नेचर और नॉलेज मैनेजमेंट जैसे कई एप्लीकेशन को एक ही जगह पर लाता है। ई-आफिस से कागज रहित प्रशासन, फाइलों का डिजिटल प्रबंधन होता है जिससे कागज का उपयोग कम होता है तथा पर्यावरण को फायदा होता है। वहीं कुशल कार्य प्रवाह होने से फाइलें, नोटिंग और आदेशों का स्वचालित इलेक्ट्रानिक हस्तांतरण होता है जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होती है। इससे अधिकारियों को कहीं से भी अपने कार्यालय तक सुरक्षित पहुंच मिलती है जो एक वर्चुअल आफिस का अनुभव देता है। इस माध्यम से सभी प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप से ट्रैक किया जा सकता है जिससे पारदर्शित बढ़ती है। एक एकीकृत मंच से यह विभिन्न सरकारी एप्लीकेशन जिसमें ई-फाइल, ई-सिग्नेचर, केएमएस को एक ही इंटरफेस पर लाता है जिससे कार्य आसान हो जाता है। उक्त विशेषताओं को देखते ही केन्द्र, राज्य और जिला स्तर पर सभी सरकारी विभागों को ई-आफिस संचालन के आदेश हैं।

सीधी जिले में ई-आफिस संचालन की स्थिति और प्रगति ठीक नहीं है। कारण अधिकांश विभागीय अधिकारी स्वत: तकनीकी रूप से सक्षम नही हैं। मजबूरी में यदि कार्य करना हुआ तो वे कम्प्यूटर आपरेटर की मदद से प्रयास करते हैं। विभागीय अधिकारियों को ई-आफिस पोर्टल के संचालन में उनके मोबाइल नम्बर में ओटीपी आती है। प्राप्त ओटीपी का उपयोग निर्धारित समय के अंदर ही करना होता है। यदि समय पर ओटीपी का उपयोग नहीं किया गया तो फाइल पोर्टल में दर्ज नहीं हो पाती।

ई-ऑफिस कार्यप्रणाली को अनिवार्य रूप से अपनाने के निर्देश

समयसीमा की बैठक में आज ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शासकीय कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से ही किए जाएं, जिससे कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को ई-ऑफिस के नियमित उपयोग की आदत विकसित करने और लंबित फाइलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

ई-आफिस संचालन में विभाग के मुखिया का नहीं मिल रहा सहयोग

ई-आफिस पोर्टल के संचालन हेतु विभाग के संबंधित बाबू तकनीकी रुप से सक्षम नही हैं वो कम्प्यूटर आपरेटर की मदद से ई-आफिस का कार्य कराने का प्रयास कर रहें। वहीं जो फाईल विभाग के मुखिया के माध्यम होनी है जिसके फाईल संचालन हेतु विभाग के मुखिया के मोबाइल नम्बर में ओटीपी आती है। ओटीपी की एक निर्धारित समय सीमा होती है। यदि अधिकारी द्वारा समय पर ओटीपी नही दी जाती तो फाईल पोर्टल में नही दर्ज हो पाती है। विभाग के मुखिया का कर्मचारियों को समय पर सहयोग नही मिलने से ई-फाइलिंग का कार्य शासन की मंशानुरूप नही हो पा रहा है।

घर से नाराज होकर लापता हुए दो किशोरों को कोतवाली पुलिस ने किया दस्तयाब

सीधी पुलिस की बड़ी सफलता

नवभारत न्यूज

सीधी 29 दिसम्बर। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, एएसपी अरविंद श्रीवास्तव एवं डीएसपी अमन मिश्रा के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक कन्हैया सिंह बघेल के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में लापता हुए नाबालिग किशोरों को सुरक्षित ढूंढ निकालकर उनके परिजनों को सौंप दिया है।

विगत अप्रैल माह में एक परिजन द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उनका नाबालिग बालक घर से लापता हो गया है। काफी खोजबीन के बाद भी जब बालक का पता नहीं चला तो अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका पर मामला दर्ज किया गया था। कोतवाली पुलिस लगातार सक्रिय रही और हाल ही में मुखबिर तंत्र व तकनीकी साक्ष्यों की मदद से किशोर को सकुशल बरामद कर लिया गया। पूछताछ में बालक ने बताया कि वह माता-पिता की डांट से नाराज होकर घर से चला गया था। एक अन्य मामले में महज एक सप्ताह पूर्व एक बालक के लापता होने की सूचना प्राप्त हुई थी। परिजनों ने आशंका जताई थी कि बालक को कोई अज्ञात व्यक्ति ले गया है। कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और अथक प्रयासों के बाद बालक को ढूंढ निकाला। बालक ने बताया कि पढ़ाई के लिए टोकने और खेलकूद से मना करने पर वह नाराज होकर घर से निकल गया था। दोनों ही मामलों में वैधानिक औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत किशोरों को उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया है। अपने बच्चों को सुरक्षित पाकर परिजनों ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। उक्त महत्वपूर्ण सफलता में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक कन्हैया सिंह बघेल, उनि पुष्पेंद्र सिंह एवं प्रधान आरक्षक जयराम सैनी की विशेष और सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक का संदेश

मैं अभिभावकों से अपील करता हूं कि बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार रखें और उनकी समस्याओं को समझें। कोतवाली पुलिस की तत्परता सराहनीय है, जिन्होंने इन बच्चों को सुरक्षित उनके घर पहुंचाया है।

संतोष कोरी, पुलिस अधीक्षक सीधी

सेंदुरा में क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन, ज्ञान सिंह ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौंसला

नवभारत न्यूज

सीधी 29 दिसम्बर। ग्राम सेंदुरा स्थित अमर शहीद महाराजा शंकर शाह स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि ज्ञान सिंह के आगमन पर आयोजन समिति द्वारा भव्य बाइक रैली निकाली गई, जिसमें सैकड़ों बाइकों का काफिला शामिल रहा। आयोजन समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका आत्मीय एवं उत्साहपूर्वक स्वागत किया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला ग्राम गिजवार एवं ग्राम ठेंगरही लेदरी पार की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचक मुकाबले का साक्षी बनाया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ज्ञान सिंह ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में ऐसे खेल आयोजनों से युवाओं की प्रतिभा को मंच मिलता है। खेल न केवल शारीरिक विकास करता है बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है। आज का युवा यदि खेल और शिक्षा दोनों में आगे बढ़ेगाए तो देश और समाज का भविष्य निश्चित रूप से सशक्त होगा। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के टूर्नामेंट ग्रामीण युवाओं को नशा, अपराध और भटकाव से दूर रखकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना बनाए रखने और आगे भी निरंतर अभ्यास करते रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर सुंदरलाल सिंह, प्रेमवती सिंह, सुनील सिंह, सरपंच भगोहर, गफूर खान, श्रवण सिंह, संतोष तिवारी, लालबहादुर नापित, अवधेश गुप्ता, कमलेश गुता, पुष्पराज सिंह, राजभान साहू, ओमप्रकाश नामदेव, नीरज सिंह, जहीर खान, लाला गुप्ता, शिवदास साकेत सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव कल वीडियो कांफ्रेंसिंग से करेंगे समीक्षा

सीधी 29 दिसम्बर। मुख्य सचिव अनुराग जैन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कांफ्रेंस के कार्यवाही विवरण में पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक 31 दिसम्बर को सुबह 11 बजे से आयोजित की गई है। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने सभी अधिकारियों को एजेण्डा बिन्दुओं पर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करने तथा निर्धारित तिथि में बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

इन्द्रवती के कलाकारों ने परसाई की 3 कहानियों का किया मंचन

शाउमावि बकवा में किया गया मंचन, राष्ट्रीय नाट्य कार्यशाला का समापन

नवभारत न्यूज

सीधी 29 दिसम्बर। अग्रणी नाट्य संस्था इन्द्रवती नाट्य समिति सीधी के आयोजकत्व एवं एक्सट्रीम आर्ट एंड एजुकेशनल सोसाइटी सीधी के प्रबंधन में 30 दिवसीय नि:शुल्क आवासीय प्रस्तुति परक राष्ट्रीय नाट्य कार्यशाला 1 दिसम्बर 2025 से आयोजित की गई।

जिसके प्रथम चरण में सुप्रसिद्ध कहानीकार एवं उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद की कहानी पर आधारित नाटक आगा पीछा का रोशनी प्रसाद मिश्र के निर्देशन में शानदार मंचन किया गया। रजनीश जायसवाल के निर्देशन में अहिराई लाठी नृत्य एवं प्रजीत साकेत के निर्देशन में बघेली लोकगीत की प्रस्तुति की गई। कार्यशाला के द्वितीय चरण में रोशनी प्रसाद मिश्र के निर्देशन में सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की तीन कहानियों वैष्णव की फिसलन, चूहा और मैं एवं भोलाराम का जीव की प्रस्तुति शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बकवा में की गई। मंच पर कहानी वैष्णव की फिसलन में अभिषेक राणा, चूहा और मैं में यश कुमार और भोलाराम का जीव में सूर्यकांत शौंदनकर ने शानदार अभिनय किया। मंच परे रजनीश जायसवाल एवं प्रजीत साकेत की विशेष भूमिका रही। हास्य व्यंग्य से भरपूर तीनों प्रस्तुति देखकर सुधी दर्शक एवं छात्रों ने खूब आनंद उठाया, साथ ही कहानी के संदेश को भी समझा। प्रस्तुति उपरांत मुख्य अतिथि डॉ.एस.पी. सिंह ने उद्बोधन देते हुए कहा कि परसाई अपनी रचनाओं के माध्यम से अभी भी जिंदा हैं जिस प्रकार से इसका निर्देशन किया गया वह काबिले तारीफ है और मंच पर अभिनय करने वाले तीनों अभिनेताओं ने अपने जीवंत अभिनय से प्रस्तुति को सफल बनाया है। कार्यशाला की परिकल्पना नीरज कुंदेर की रही एवं कार्यशाला निर्देशक रोशनी प्रसाद मिश्र रहे। मंच संचालन प्रजीत साकेत ने किया तथा आभार प्रदर्शन रजनीश जायसवाल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में ये मुख्य रूप से उपस्थित

इस अवसर पर रामपाल सिंह सेनि शिक्षक, लल्लू सिंह प्रभारी प्राचार्य, शिव प्रताप सिंह, जयकरण कोल, जयपाल सिंह, छोट बहादुर सिंह, राममणि गुप्ता, पारसनाथ साकेत, संजीव कुमार साकेत, पीयूष तिवारी, कृष्णचंद्र यादव, मुकेश साकेत, सुमंतलाल साकेत, भोला प्रसाद गुप्ता, काजल पनिका, आरती गुप्ता, शुभम पाण्डेय, सुरेश प्रजापति, पूजा तिवारी, जगदीश अहिरवार एवं प्रदीप सिंह सहित कई प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।

बहरी बाजार में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, विरोध के बाद दी गई मोहलत

नवभारत न्यूज

बहरी 29 दिसम्बर। बहरी बाजार में आज शाम एसडीएम एवं तहसीलदार द्वारा अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही शुरू की गई। कुछ गोमतियों को हटाया गया, वहीं सड़क की पटरी पर जेसीबी मशीन से अतिक्रमणों को हटाने की कार्ययोजना बनाई गई थी। अतिक्रमण हटाने के दौरान फुटपाथी कारोबारियों द्वारा कड़ा विरोध प्रदर्शित किया गया, जिसके बाद दो दिन की मोहलत स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की दी गई।

तत्संबंध में चर्चा के दौरान स्थानीय लोगों का कहना था कि बहरी बाजार अतिक्रमण के चलते सभी सड़कें संकीर्ण हो चुकी हैं। हालात यह है कि बस स्टैण्ड में ठेला कारोबारी दबंगई पूर्वक अपना कारोबार कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से जब भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की जाती है उसका कड़ा विरोध किया जाता है। कई बार पुलिस की ओर से भी अतिक्रमणकारियों को अतिक्रमण हटाने के लिये नोटिस जारी की गई फिर भी अतिक्रमण नहीं हटा। जब भी प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की जाती है इसका विरोध किया जाता है। अधिकारी भी स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की मोहलत देकर बाद में अतिक्रमण हटाने के अभियान को ही ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। इसी वजह से बहरी बाजार का अतिक्रमण पूरी तरह से नासूर हो चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बहरी बाजार में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही बिना किसी भेदभाव के होनी चाहिये, छोटे एवं बड़े सभी अतिक्रमणकारियों को एक समान हटाया जाय।

धान उपार्जन में पारदर्शिता के लिए अधिकारियों ने किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज

सीधी 29 दिसम्बर। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार जिले में धान उपार्जन कार्य को शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के उद्देश्य से संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा धान उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य उपार्जन प्रक्रिया में गुणवत्ता, तौल, भंडारण एवं किसानों की सुविधाओं को सुनिश्चित करना रहा।

निरीक्षण के क्रम में 29 दिसम्बर को गांधीग्राम उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण श्रीमती प्रियल सिंह, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी तथा राजेश कुमार सिंह जेएसओ द्वारा किया गया। वहीं मझौली क्षेत्र अंतर्गत सुमन महिला स्व-सहायता समूह अमेढ़िया स्थित उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण श्री अभिषेक सनोडिया, जेएसओ द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त मझौली उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण शाखा प्रबंधक मझौली द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न उपार्जन केन्द्रों पर व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। अधिकारियों द्वारा धान की गुणवत्ता, सही तौल, अभिलेख संधारण, बारदाना की उपलब्धता, सुरक्षित भंडारण तथा परिवहन व्यवस्था का परीक्षण किया गया।

ग्राम पंचायत छुही में मतदान शांतिपूर्ण, मतगणना 2 को

नवभारत न्यूज

सीधी 29 दिसम्बर। ग्राम पंचायत छुही में सरपंच पद के लिए मतदान सभी तीनों मतदान केन्द्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

तहसीलदार एवं रिटर्निंग ऑफिसर दिलीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदान प्रात: सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत छुही में कुल 2151 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें 1100 पुरुष एवं 1051 महिला मतदाता शामिल हैं। मतदान के दौरान कुल 1273 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें 590 पुरुष एवं 683 महिला मतदाता रहे। मतगणना 2 जनवरी 2026 को तहसील कार्यालय मझौली में संपन्न कराई जाएगी। मतदान प्रक्रिया के दौरान सभी मतदान केन्द्रों पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखी गई।

राज्य स्तरीय कराटे व कुडो प्रतियोगिता में निशु गुप्ता ने हासिल किया तृतीय स्थान

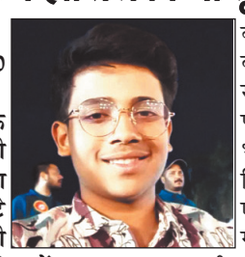

नवभारत न्यूज

सेमरिया 20 दिसम्बर। एसआईटी पब्लिक स्कूल सीधी की कक्षा 10 की छात्रा निशु गुप्ता ने कराटे एवं कुडो की राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है।

निशु गुप्ता एक राज्य स्तरीय खिलाड़ी हैं और उन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं निरंतर अभ्यास के बल पर यह सफलता हासिल की है। राज्य स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर से आए प्रतिभागियों के बीच उन्होंने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी इस उपलब्धि को सेमरिया सहित व्यापारी बंधुओं ने सराहा है। इस अवसर पर व्यापारी संघ भंडारा की ओर से निशु गुप्ता को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

व्यापारी संघ ने कहा कि निशु की यह सफलता न केवल उनके लिए बल्कि उनके परिवार और पूरे समुदाय के लिए गर्व का विषय है। व्यापारी संघ के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, राजीव सोनी, जितेंद्र मिश्रा, कृष्णकुमार गुप्ता, उपेन्द्र मिश्रा पत्रकार सेमरिया, मनोज गुप्ता, रेनू रामजी गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, जिला युवा व्यापारी संघ सह सचिव विनोद गुप्ता, पंकज गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, वीरेंद्र गुप्ता, विजय गुप्ता, अर्जुन गुप्ता, तुलसी गुप्ता एवं रजनीश सोनी ने संयुक्त रूप से निशु के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए : सोमवंशी

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, धान उपार्जन और ई-ऑफिस पर दिए व्यापक निर्देश

नवभारत न्यूज

सीधी ,29 दिसम्बर। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में जिले की प्रशासनिक कार्यप्रणाली, जनशिकायतों के निराकरण तथा शासन की प्राथमिक योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करना रहा।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता न होकर गुणवत्तापूर्ण और समाधानपरक होना चाहिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए प्राथमिकता पर निराकरण करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि 10 जनवरी तक सभी विभाग ए-ग्रेड प्राप्त करने के लिए ठोस प्रयास करें और लंबित शिकायतों की संख्या शून्य के निकट लाई जाए। कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा चयनित विषय जनहित से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए इन शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कमिश्नर कांफ्रेंस में प्राप्त निर्देशों के परिपालन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को की गई कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन समय-सीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री के निर्देशों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता और सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक है। सभी विभाग नियमित रूप से समीक्षा कर प्रगति सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शासकीय कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से ही किए जाएं, जिससे कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को ई-ऑफिस के नियमित उपयोग की आदत विकसित करने और लंबित फाइलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। इस समीक्षा बैठक में एडीएम बी.पी.पाण्डेय, एसडीएम गोपद बनास राकेश शुक्ला, सिहावल प्रिया पाठक, डिप्टी कलेक्टर प्रियल सिंह सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उपार्जन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश

धान उपार्जन व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने धान उपार्जन केन्द्रों पर नियमित निरीक्षण करने, परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए 80 प्रतिशत तक परिवहन सुनिश्चित करने तथा किसानों को समय पर भुगतान कराने के निर्देश दिए। बारिश के मौसम को देखते हुए उपार्जित धान के सुरक्षित भण्डारण, तिरपाल, शेड एवं अन्य सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। ठंड के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए अलाव, छाया, बैठने की व्यवस्था और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को प्रतीक्षा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।